अंक-योजना

अत्यंत गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र पूरक परीक्षा, **2025 (Supplementary Exam.)**

विषय-हिंदी (ऐच्छिक)

(प्रश्न-पत्र कोड **29/S/1, 2, 3)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।
6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।

7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना
14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।

16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

अंक-योजना
हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 80

प्रश्न सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**
	29/**S/1**	29/**S/2**	29/**S/3**		
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर:-** (i) (C) जो मन, शरीर से काम करके थके नहीं और असमर्थों की सहायता करे (ii) (A) दूसरों को सहारा देने के कारण (iii) (D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है। (iv) स्वास्थ्य को खरीदा नहीं जा सकता। (v) पौष्टिक आहार और शारीरिक परिश्रम की अपेक्षा कृत्रिम साधनों से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने वालों पर कटाक्ष है। (vi) • मन और शरीर से दुखी • मनोविनोद में मन न लगना • जीवन को भार स्वरूप समझना (vii) • अच्छा स्वास्थ्य घर के समान • तीन पाये- उचित आहार, पूर्ण निद्रा और ब्रह्मचर्य	**10** 1 1 1 1 2 2 2

2	2	1	2	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :** (i) (D) पेड़ दुख सुनता था (ii) (C) अंधविश्वास (iii) (A) संसार में प्रत्येक व्यक्ति दुखी है (iv) लोगों को यह अहसास दिलाने के लिए कि संसार में दुखों से रहित कोई नहीं है। (v) लोगों का पेड़ पर अंधविश्वास कि वहाँ जाने पर दुख दूर हो जाता है। (vi) अपने-अपने दुखों के निवारण का कारण जानने की व्यग्रता होने पर भी भीड़ का शांत रहना **विरोधाभास** अनेक लोगों के होने पर भी वातावरण में हलचल न होना	**8** 1 1 1 1 2 2
				खंड ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)**	**22**
3	3	3		**प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर:-** (क) ● गोवा में, ईसाई मिशनरियों के धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए (ख) ● उलटा पिरामिड शैली में ● महत्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले लिखा जाना ● घटते हुए क्रम में सूचनाओं को लिखा जाना ● क्लाइमेक्स शुरू में होना (ग) ● दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ ● खबरें तीव्र गति से पहुँचना ● खबरों की पुष्टि तत्काल ● बैकग्राउंड तैयार करने में तत्काल सहायता (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य) (क) जनसंचार के माध्यमों में सबसे पुराना छपा हुआ/प्रिंट माध्यम अखबार, पत्र-पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि (ख) ● सरल और बोधगम्य ● बोलचाल की भाषा ● संप्रेषणीय तथा प्रभावी भाषा	1 2 2 1 2

				● वाक्य छोटे, स्पष्ट, सरल (ग) ● भावानुकूल अभिव्यक्ति ● उच्चारण शुद्ध, मधुर, सहज और स्पष्ट ● दृश्यों और शब्दों में तारतम्यता	2
			3	(क) प्रमुख संचार माध्यम--समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो, दूरदर्शन और इन्टरनेट आदि	1
				(ख)● पत्रकारीय लेखन वास्तविक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों पर आधारित, साहित्यिक लेखन यथार्थ और कल्पना पर ● पत्रकारीय लेखन में तात्कालिकता और पाठकों की रुचियों व जरूरतों का महत्त्व. साहित्यिक लेखन के लिए यह अनिवार्य नहीं ● पत्रकारीय लेखन में शब्द सीमा, साहित्यिक लेखन में इसकी अनिवार्यता नहीं	2
				(ग) निर्धारित कार्यक्रम को रोककर तुरंत घटित घटना को विशेष ख़बर के रूप में कम-से-कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाना **माध्यम**—दूरदर्शन	2
4	4			किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में : (क) ● किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन **विशेष लेखन के लिए आधार तत्त्व-** ● अलग डेस्क और उस पर काम करने के लिए विशिष्ट पत्रकारों का समूह ● विषय विशेष में रुचि, विषय का सम्यक व सतत ज्ञान ● संबंधित विषय की संदर्भ सामग्री का संकलन ● संस्थानों की सूची, विशेषज्ञों के नाम की जानकारी आदि (ख)● विचारपरक लेख और आलेख ● संपादक का अग्रलेख (सम्पादकीय) ● स्तंभ लेखन ● फ़ीचर, संपादक के नाम पत्र आदि। (किसी भी एक का परिचय स्वीकार्य) (ग) ● सरल और बोधगम्य भाषा ● बोलचाल की भाषा	3 x 2 = 6

		4		● संप्रेषणीय तथा प्रभावी भाषा ● वाक्य छोटे, स्पष्ट, सरल ● व्याकरण-सम्मत भाषा (क) पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं- **पूर्णकालिक पत्रकार**-- किसी समाचार संगठन में नियमित वेतनभोगी पत्रकार **अंशकालिक पत्रकार**-- किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार **स्वतंत्र/फ्रीलांसर पत्रकार**-- किसी खास अखबार से संबंध न रखने वाला, भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबार के लिए लिखने वाला पत्रकार (ख)● विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं ● विषय की प्रकृति के अनुरूप शैली ● बीट से जुड़े समाचार उलटा पिरामिड शैली में, फीचर, लेख कथात्मक शैली में आदि (ग)● फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना, मनोरंजन करना ● 250 शब्दों से 2000 शब्दों तक की सीमा ● हलके-फुलके विषय से लेकर गंभीर मुद्दों पर—सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक, घटनापरक, यांत्रिक, प्राकृतिक, यात्रापरक आदि	
			4	(क) ● दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ ● खबरें तीव्र गति से पहुँचना ● खबरों की पुष्टि तत्काल ● बैकग्राउंड तैयार करने में तत्काल सहायता (ख) ● अर्थ जनमानस के जीवन का मूलाधार ● देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा रिश्ता होने के कारण ● आर्थिक उदारीकरण का बढ़ता प्रभाव ● देश में खुली अर्थव्यवस्था लागू होने से अर्थव्यवस्था में व्यापक बदलाव आने के कारण	

				(ग) ● समाचार माध्यमों में साक्षात्कार का विशेष महत्व ● साक्षात्कार के माध्यम से समाचार, फीचर, विशेष रिपोर्ट आदि पत्रकारीय लेखन के लिए विषयवस्तु का उपलब्ध होना ● साक्षात्कारकर्त्ता द्वारा व्यक्ति विशेष से संबंधित तथ्य, राय, भावनाएँ, अनुभव आदि जानने के लिए प्रश्न पूछना ● साक्षात्कार का एक स्पष्ट उद्देश्य और ढाँचा	
5	5	5	5	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख: विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	6			किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में : (क)● कविता अपने समय विशेष की उपज ● उसके घटक, परिवेश और संदभों से परिचालित ● उसका स्वरूप समय के साथ-साथ परिवर्तित ● अतः किसी समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियों की सही जानकारी भी कविता की दुनिया में प्रवेश के लिए जरूरी ● उदाहरण-'अकाल और उसके बाद' कविता (ख)● रंगमंच प्रतिरोध का सशक्त माध्यम ● नाटक में दो विरोधी चरित्रों के विचारों में टकराहट स्वाभाविक ● परस्पर विरोधी विचारधाराओं के कारण नाटक में अस्वीकार की स्थिति से रोचकता ● द्वंद्व, असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध तथा अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्त्वों की अधिकता से नाटक का सशक्त बनना ● द्वंद्व नाटक को गति देने और दर्शक /पाठक को अंत तक जोड़े रखने में सहायक (ग)● कहानी का केंद्र बिन्दु--कथानक ● प्रारंभ, मध्य और अंत तक की सभी घटनाओं का मूलाधार ● कथानक कहानी का प्रारंभिक नक्शा ● कहानी के अन्य तत्त्व कथानक पर ही आधारित	**3 x 2 = 6**

		6		(क)● शब्दों द्वारा अभिव्यक्त न किए जा सकने वाले भावों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम बिम्ब ● कविता में लय और शब्दगत अनुशासन लाने में छंद सहायक (ख)● शब्द नाटक का शरीर ● संक्षिप्त, सांकेतिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान, जो वर्णित न होकर क्रियात्मक हों ● शब्दों में दृश्य बनाने की क्षमता, जो शाब्दिक अर्थ से ज्यादा व्यंजना की ओर ले जाए (ग)● संवादों के बिना पात्रों की कल्पना मुश्किल ● संवाद पात्रों के मनोभावों को व्यक्त करने में सहायक ● संवादों से ही कहानी को गति मिलना व पात्रों का चरित्र निर्धारण ● पाठकों की रुचि बढ़ाने और बनाए रखने में संवाद सहायक ● कहानी को भावनात्मक ऊँचाइयों पर ले जाने में संवाद जरूरी	
			6	(क)● विचारों एवं भावनाओं की अनुभूतिजन्य सहज अभिव्यक्ति से ● शब्द, लय, ताल, छंद, बिम्ब, प्रतीक आदि के प्रयोग से ● परिवेश के अनुसार भाषा एवं भाव की अभिव्यक्ति से ● तादात्म्य अभिव्यंजना से (ख) **नाटक के तत्त्व-** ● कथानक ● संवाद ● पात्र और चरित्र-चित्रण ● देशकाल और वातावरण ● अभिनेयता ● उद्देश्य ● भाषा शैली **समय का बंधन क्यों -** ● दर्शक को अंत तक बाँधे रखने के लिए ● नाटक को निश्चित अवधि में सीमित करने के लिए ● वातावरण को बोझिल होने से बचाने हेतु (ग) कहानी जीवन के किसी अंश/घटना/पात्र की कलात्मक अभिव्यक्ति।	

				प्रामाणिक, रोचक बनाने हेतु- कथानक, पात्र, संवाद, द्वंद्व, देशकाल और वातावरण, चरम-उत्कर्ष, भाषा-शैली और उद्देश्य की प्रभावपूर्ण प्रस्तुति	
				खंड-ग **(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा, अंतराल पर आधारित)**	**40**
7	7	9	**9**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प : (i) (D) व्यक्तिगत सत्ता (ii) (D) सामाजिक सत्ता से जोड़ दो (iii) (D) सर्वगुण संपन्न (iv) (C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या **नहीं** करता है। (v) (B) कथन I और कथन III	**1 x 5 = 5**
8	8			काव्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क) ● वसंत ऋतु के परिवर्तन को अनुभूत न कर पाना ● प्राकृतिक परिवर्तनों/पर्वों को दफ्तर की छुट्टी या कलैंडर के माध्यम से जानना ● प्राकृतिक उपादानों से अपरिचित रहना (ख)● राम के वनगमन की याद आने पर कौशल्या का चित्र के समान स्थिर हो संज्ञाशून्य होना ● असीम वेदना और वात्सल्य वियोग से कौशल्या की दशा मार्मिक होना (ग)● माघ महीने में विरहिणी नागमती का अपने पति के वियोग में शीत के कारण जड़वत् होना ● उसके मन का पति के वियोग में काँपना ● नायिका के आँसुओं का उसके शरीर पर बाण की तरह चुभना	**2 x 2 = 4**
		8		(क)● जीवन के यथार्थ को न समझने के कारण ● स्कंदगुप्त को प्राप्त करने की आकांक्षा में जीवनभर भ्रम में रहने के कारण ● निर्णय लेने की क्षमता के प्रभावित होने के कारण (ख)● भाई के प्रति अगाध प्रेम और विश्वास ● राम के वनगमन हेतु स्वयं को दोषी मानना	

				• विनम्र, निर्मल, उदार और विशाल हृदय (ग)• खिले हुए फूल और प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर प्रेम का उद्दीप्त होना • कोयल/भौरों की आवाज़ सुनकर नायिका की विरह वेदना का असहनीय होना • प्रिय-मिलन की आतुरता का बढ़ना	
			8	(क) **प्राकृतिक सौंदर्य** – • सबसे पहले सूरज की किरणों का भारत में सुंदर ढंग से प्रस्फुटित और प्रसारित होना • रंगबिरंगे पक्षियों का आकाश में आनंद से उड़ना **सांस्कृतिक सौंदर्य:-** • अनजान लोगों को भी आश्रय देना • दूसरों के दुख में उन्हें सहारा एवं शांति देना (ख)• वसंत का अचानक आना • धूलभरी आँधी आना • वातावरण में उल्लास एवं जागरण • भिखारियों और बंदरों में आशा का भाव जागृत होना (ग)• प्रेम में तृप्ति- प्रेम की समाप्ति • प्रेम की पल-पल नूतन अनुभूति • नायिका और कृष्ण का प्रेम मानवीय प्रेम से इतर उदात्त और आध्यात्मिक अनुभूति का प्रेम • प्रेम का अनुभव अवर्णनीय	
9	9	7	7	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक	**6**

				(क) कवि : केदारनाथ सिंह कविता : बनारस **अथवा** (ख) कवि : घनानंद कविता : कवित्त	
10	10	10	10	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i) (D) ईश्वर की सर्वस्वता की ओर (ii) (D) अज्ञानता (iii) (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (iv) (D) सुख पहुँचाने का अभिमान तो होता है। (v) (D) वैरागी	**1 x 5 = 5**
11	11	11	12	गद्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क)● आजकल संवदिया द्वारा संदेश न भेजा जाना ● संचार व्यवस्था उन्नत हो जाना ● गुप्त संदेश होने की आशंका (ख)● पेटी के चयन के आधार पर जीवन साथी का चुनाव ● मिट्टी के ढेले चुनने के आधार पर वधू चुनना (ग)● विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहना ● स्वावलंबी बनना ● जीवन को मस्ती में जीना ● निर्भीक रहना ● चापलूसी से बचना ● सुख-दुख में समभाव ● किसी के सामने हाथ न फैलाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**2 x 2 = 4**
12	**12**	**13**	**11**	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (पाठ तथा लेखक का नाम)	6

				प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) पाठ : प्रेमघन की छाया स्मृति लेखक : रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** (ख) पाठ : दूसरा देवदास लेखक : ममता कालिया	
13	**13**	**12**	**13**	'अंतराल' पर आधारित **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित: (क)● उपभोगवादी मानसिकता ● तेजी से बढ़ता औद्योगीकरण ● भूमि, जल और वायु प्रदूषण ● कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि ● भूजल का अत्यधिक दोहन ● प्राकृतिक सम्पदा की क्षति ● पर्यावरणीय असंतुलन ● परिवेश के प्रति भावनात्मक अलगाव (ख)● पुनर्निर्माण में विश्वास ● प्रतिशोध से दूर ● कर्मशील ● विपरीत परिस्थितियों में हार न मानने वाला ● सहनशील ● दृढ़प्रतिज्ञ ● आशावान ● सकारात्मक दृष्टिकोण शेष दो बिंदुओं के लिए उचित मुक्त उत्तर स्वीकार्य	**5 x 2 = 10**

				(ग)● प्रकृति का निर्मल और स्वच्छंद रूप परिलक्षित ● प्रकृति के कठोर रूप का भी दर्शन ● चाँदनी रात का सौन्दर्य ● अनेक प्रकार के फूल और वनस्पति का होना ● वर्षा के विभिन्न रूप ● वनस्पतियों के औषधीय गुणों की पहचान होना ● साँप, बिच्छुओं और कीड़े-मकोड़े मिलना ● मिट्टी के विविध रूप ● गाँव के लोगों का अभावग्रस्त और संघर्षपूर्ण जीवन	